ई-माहिती

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, गुजरात की त्रैमासिक ई - गवर्नेंस पत्रिका

Vibrant GUJARAT 2024 10-12 Jan
Gateway to the Future | 10th Global Summit

myGOV मेरी सरकार

G20 भारत 2023 INDIA

जनवरी – मार्च 2025

Digital India
Power To Empower

NIC

नडाबेट सीमा

बलराम पैलेस

गब्बर मंदिर

कामाक्षी मंदिर

जिला एक नजर मे

क्षेत्रफल	12,703 वर्ग किमी
जनसंख्या	31.2 लाख
साक्षरता दर	66.39%
ब्लॉक	16
गाँव	1251

कोटेश्वर महादेव

जेसोर स्लॉथ भालू अभयारण्य

नाडेश्वरी माता

दांतीवाड़ा बाँध

अनुक्रमणिका

गरवी पोर्टल 01

आई-खेड़ूत पोर्टल 03

ई-डिटेक्शन पोर्टल 05

जिला एनआईसी अधिकारियों का सम्मान 07

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र

गुजरात राज्य केंद्र, ब्लॉक 13
द्वितीय तल, सरदार भवन
गांधीनगर, गुजरात 382010

: sio-guj@nic.in

: https://guj.nic.in

संपादकीय :

संरक्षक

श्री प्रमोद कुमार सिंह
वैज्ञानिक-जी एवं
राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी गुजरात

संपादकीय टीम

श्री शैलेष खणेशा
वैज्ञानिक-डी एवं
संयुक्त निदेशक (आई.टी.)

श्री कुणाल देराश्री
वैज्ञानिक-सी एवं
उप निदेशक (आई.टी.)

गरवी पोर्टल के माध्यम से नागरिक सेवाओं में वृद्धि : गुजरात का संपत्ति पंजीकरण में डिजिटल कदम

गुजरात सरकार **गरवी पोर्टल (गुजरात एकीकृत भूमि पंजीकरण)** में निरंतर सुधारों के साथ भूमि और संपत्ति पंजीकरण सेवाओं को डिजिटाइज़ करने में महत्वपूर्ण प्रगति कर रही है।

यह पहल डिजिटल इंडिया और सुशासन के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता की एक आधारशिला है, जिसका उद्देश्य अपने नागरिकों के लिए **एक निर्बाध, सुरक्षित और कुशल ऑनलाइन अनुभव प्रदान करना है**।

गुजरात में पंजीकरण, मूल्यांकन और अनुक्रमण की प्रशासनिक प्रक्रिया

1. पंजीकरण शुल्क की स्वचालित गणना दस्तावेज़ संख्या के निर्माण एवं पंजीकरण प्रक्रिया के ऑटो कैलक्युलेशन से शुरू करें।
2. कृषि एवं गैर-कृषि संपत्ति का सत्यापन। दिशानिर्देश मूल्यों के अनुसार बाजार मूल्य की गणना
3. सभी पक्षों की तस्वीरें और अंगूठे के निशान लेना। समस्त प्रक्रिया की अनुमोदन रिपोर्ट
4. अंतिम पंजीकरण प्रक्रिया। ऑर्डर किए गए दस्तावेज़ को स्कैन करना और दस्तावेज़ वापस करना
5. अंतिम पंजीकरण के बाद ऑटो म्यूटेशन आरंभ करें। भूमि अभिलेख और नगर सर्वेक्षण प्रणाली के साथ एकीकृत

इन विकासों का उद्देश्य है:

- एक सुगम कार्यप्रवाह के लिए यूआईडीएआई (UIDAI), जंत्री, और एसबीआई भुगतान गेटवे जैसी आवश्यक सरकारी प्रणालियों को एकीकृत करना।
- संपत्ति के मूल्यांकन, भुगतान और सत्यापन में पारदर्शिता बढ़ाना और मैनुअल हस्तक्षेप को कम करना।
- एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर समेकित, वास्तविक समय का डेटा और सेवाएँ प्रदान करके नागरिक अनुभव को बेहतर बनाना।

जनता के लिए सुविधा

- पब्लिक डेटा एंट्री मॉड्यूल दस्तावेज़ विवरण दर्ज करने के लिए। लागू शुल्क और ड्यूटी का ऑनलाइन भुगतान। पंजीकरण के लिए अपॉइंटमेंट स्लॉट बुक करना।
- पंजीकृत दस्तावेज़ उसी दिन प्राप्त करना। एसआरओ जाए बिना ऑनलाइन प्रमाणित प्रतियां प्राप्त करना।
- नाम, पंजीकरण की तारीख, दस्तावेज़ संख्या के आधार पर संपत्ति खोजना। बाज़ार मूल्य कैलकुलेटर, और किसी भी संपत्ति के लिए भूमि दर ज्ञात करना।

कुल जनसांख्यिकीय प्रमाणीकरण	14.50 लाख +
गारवी पोर्टल में प्राप्त कुल आय	105 लाख करोड़ +
कुल बायोमेट्रिक आधारित eKYC	4500 +
कुल एआई निर्मित लेनदेन	3000 +

आंकड़े

ऑनलाइन जारी की गई प्रमाणित प्रतियों पर संग्रह	212 करोड़ +
ऑनलाइन जारी की गई प्रमाणित प्रतियां	55 लाख +
दस्तावेज़ पंजीकरण	प्रति वर्ष 15 लाख
इंडेक्स - 2 डेटा	2.05 करोड़ +
ई-भुगतान पंजीकरण शुल्क और स्टाम्प शुल्क का संग्रह	7500 करोड़
ई-भुगतान लेनदेन	125 लाख

प्रमुख विशेषताएँ और विकास

एसबीआई भुगतान गेटवे एकीकरण

सभी उप-पंजीयक कार्यालयों (एसआरओ) में इस सुविधा के कार्यान्वयन ने संपत्ति लेनदेन के लिए सुरक्षित डिजिटल भुगतान को सक्षम बनाया है।

ई-केवाईसी कार्यक्षमता

गांधीनगर ज़ोन-1 तालुका कार्यालय में सफलतापूर्वक पायलट किया गया, यह सुविधा खरीदारों, विक्रेताओं और अन्य पार्टियों के इलेक्ट्रॉनिक सत्यापन की अनुमति देती है। यूआईडीएआई (UIDAI) के साथ प्रमाणीकरण सफलता के आँकड़े साझा करने के लिए एक रिपोर्ट भी विकसित की गई। इस सुविधा को तत्पश्चात गुजरात के सभी एसआरओ कार्यालयों में आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया गया।

नागरिक-पक्षीय संपत्ति मूल्यांकन पृष्ठ

वर्तमान में उपयोगकर्ता स्वीकृति परीक्षण (UAT) के तहत, यह नया पृष्ठ जंत्री प्रणाली के साथ एकीकृत है, जो नागरिकों को अपनी संपत्ति के मूल्य का स्वयं आकलन करने की अनुमति देता है।

यूपीआईएन (UPIN) आधारित नामांतरण (Mutation) एकीकरण

शहरी संपत्तियों के नामांतरण (mutation) के लिए **GARVI** पोर्टल को विशिष्ट संपत्ति पहचान संख्या (UPIN) का उपयोग करके सीएसआईएस पोर्टल के साथ एकीकृत किया गया है।

समेकित भुगतान समाधान स्क्रीन

नागरिकों के लिए एक डैशबोर्ड विकसित किया गया है, जिससे वे एक ही स्क्रीन से अपने सभी आवेदनों की भुगतान स्थिति की जाँच और समाधान कर सकते है।

ये प्रगति न केवल प्रक्रिया में दक्षता और पारदर्शिता लाती हैं, बल्कि नागरिकों को महत्वपूर्ण सेवाओं और डेटा तक आसान पहुंच के साथ सशक्त भी करती हैं, जिससे भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण के लिए एक नया मानदंड स्थापित होता है।

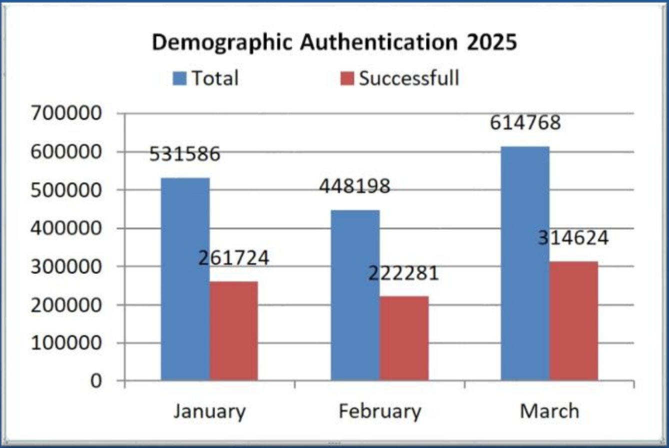

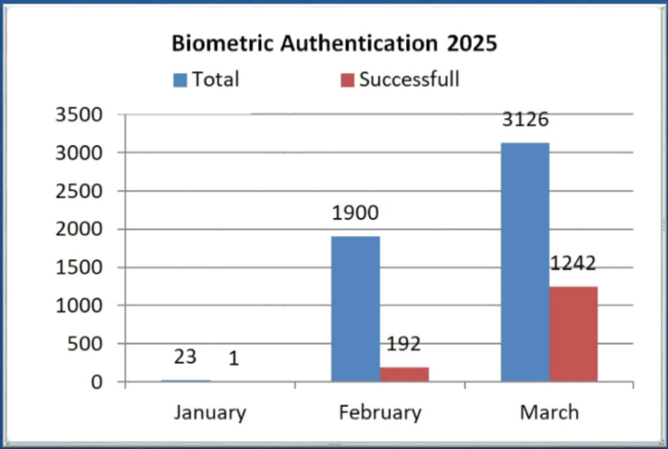

कृषि प्रौद्योगिकी में क्रांति:

प्राकृतिक कृषि अभियान के तहत क्लस्टर प्रशिक्षण पोर्टल

गुजरात में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए, कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी (ATMA) ने राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (NIC), गुजरात के सहयोग से 'आई-खेडूत' (iKhedut) मंच के तहत एक ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया है। यह पहल पूरे राज्य में आयोजित होने वाले प्राकृतिक कृषि क्लस्टर प्रशिक्षणों की प्रभावी निगरानी और प्रबंधन को सक्षम बनाती है।

क्लस्टर गठन और उद्देश्य

इस वर्ष के लिए, कुल 1,029 मिशन क्लस्टर और 3,878 गैर-मिशन क्लस्टर बनाए गए हैं, जिनमें से प्रत्येक में 3 ग्राम पंचायतें शामिल हैं। प्रत्येक क्लस्टर में किसानों को सहायता प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित विशेषज्ञ शामिल हैं।

- **तकनीकी मास्टर प्रशिक्षक (TMT):** एक विषय विशेषज्ञ जो वैज्ञानिक और तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करता है।
- **कृषि सखी:** एक गाँव-स्तर की संसाधन व्यक्ति, जो जैविक खेती में स्थानीय ज्ञान और अनुभव रखता है, और किसानों को व्यावहारिक सहायता और निरंतर समर्थन प्रदान करता है।
- **सामुदायिक संसाधन व्यक्ति (CRP):** एक प्रशिक्षित स्थानीय व्यक्ति जिसे किसानों को प्राकृतिक खेती के तरीकों को लागू करने में मार्गदर्शन करने और डेटा एकत्र करने के लिए नियुक्त किया गया है।

इस पहल का **लक्ष्य 5.64 लाख से अधिक किसानों** तक पहुंचना और प्राकृतिक खेती के तरीकों को व्यापक रूप से अपनाना है।

पोर्टल की मुख्य विशेषताएं

ऑनलाइन जानकारी और निगरानी

पोर्टल राज्य भर में क्लस्टर प्रशिक्षण गतिविधियों की वास्तविक समय की जानकारी प्रदान करता है।

प्रभावी शासन

प्रशिक्षण की प्रगति की राज्य और जिला-स्तर पर निगरानी की सुविधा देता है।

भूमिका-आधारित पहुँच

टीएमटी, कृषि सखियों और एटीएमए अधिकारियों के लिए समर्पित मॉड्यूल हैं।

क्लस्टर-आधारित रणनीति

संरचित क्लस्टर गठन के माध्यम से किसानों का व्यवस्थित कवरेज सुनिश्चित करता है।

मिशन क्लस्टर

गैर मिशन क्लस्टर

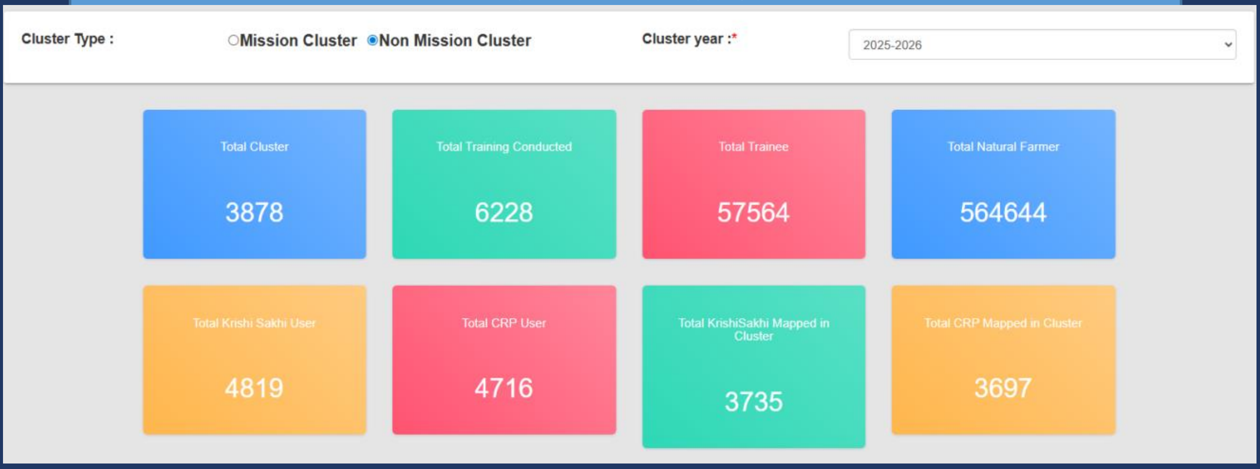

इस डिजिटल मंच ने प्राकृतिक खेती प्रशिक्षणों के समन्वय को सुव्यवस्थित किया है, जिससे राज्य भर में वैज्ञानिक मार्गदर्शन और व्यावहारिक सहायता का एकीकरण हुआ है, जिससे किसानों को स्थायी प्राकृतिक कृषि की ओर सशक्त बनाया जा रहा है।

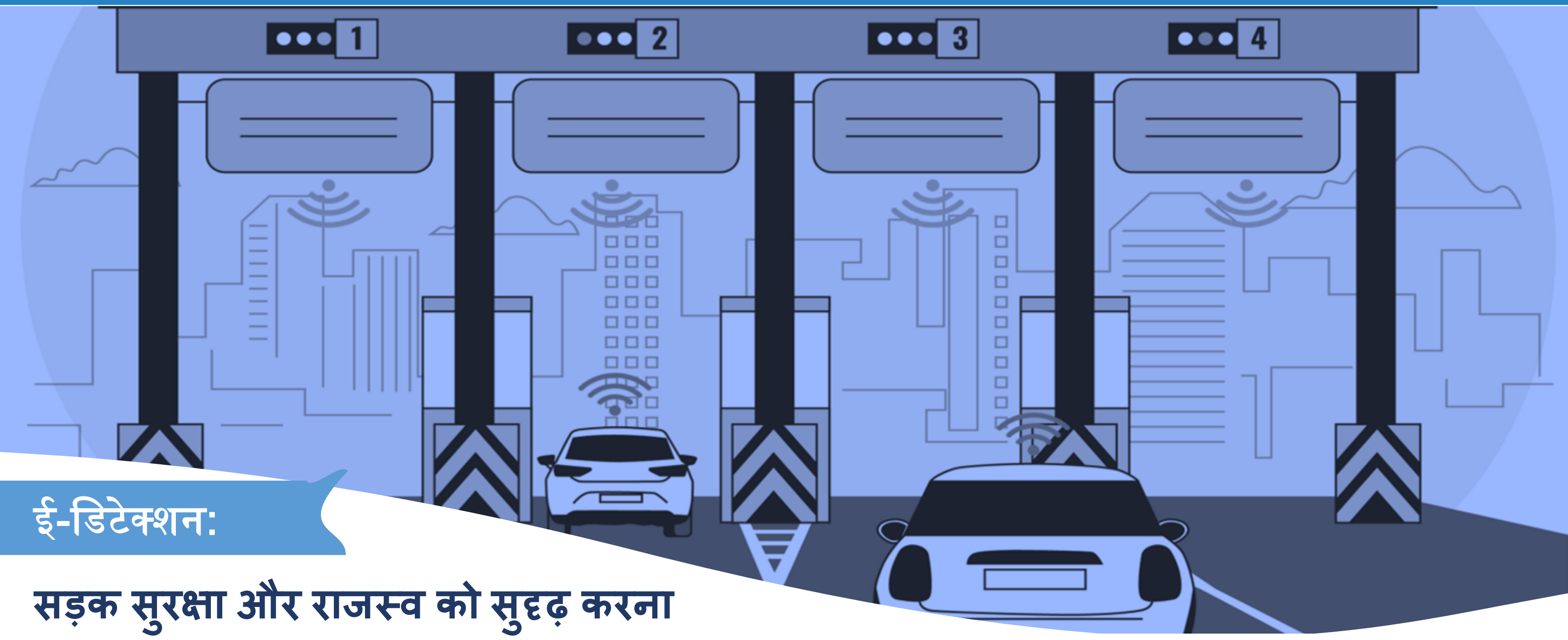

ई-डिटेक्शन:

सड़क सुरक्षा और राजस्व को सुदृढ़ करना

सड़क सुरक्षा और अनुपालन को बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम में, गुजरात में **ई-डिटेक्शन प्रणाली** को लागू किया गया है, जिसका उद्देश्य गैर-अनुपालक वाहनों की आवाजाही को रोकना है।

यह अभिनव प्रणाली विभिन्न **मोटर वाहन (MV)** नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों की पहचान करने और उनके लिए **ई-चालान** जारी करने के लिए एक मजबूत तंत्र प्रदान करके मैनुअल निरीक्षण और साधारण एसएमएस अलर्ट की अप्रभावीता को संबोधित करती है।

मुख्य उद्देश्य

स्वचालित उल्लंघन का पता लगाना

यह प्रणाली **बिना वैध फिटनेस, कर, परमिट, बीमा और प्रदूषण प्रमाणपत्रों** के चलने वाले वाहनों का स्वचालित रूप से पता लगाती है।

ई-चालान के साथ एकीकरण

यह कुशल और प्रभावी ई-चालान जारी करने को सुनिश्चित करने के लिए '**वन नेशन वन चालान**' नीति के साथ निर्बाध रूप से एकीकृत होता है।

राजस्व को अधिकतम करना

कर और अन्य चूककर्ताओं की पहचान करके, यह प्रणाली ई-चालान से राजस्व सृजन को अधिकतम करने में मदद करती है।

बढ़ी हुई सड़क सुरक्षा

ई-डिटेक्शन सड़क पर वाहनों के अनुपालक होने को सुनिश्चित करके समग्र सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए एक प्रमुख उपकरण के रूप में कार्य करता है।

प्रणाली की प्रक्रिया सुव्यवस्थित और अत्यधिक स्वचालित है। **टोल उपयोगकर्ता** वाहन डेटा अपलोड करते हैं, जिसे एक स्वचालित शेड्यूलर द्वारा संसाधित किया जाता है जो उल्लंघनों की पहचान करता है। यह जानकारी **ई-डिटेक्शन सेल** को भेजी जाती है, जो तब **ई-चालान प्रणाली** को एक अनुरोध जारी करती है। ई-चालान उत्पन्न होता है और सीधे वाहन मालिक को **एसएमएस के माध्यम** से भेजा जाता है

लॉन्च तिथि : 16 जनवरी 2025

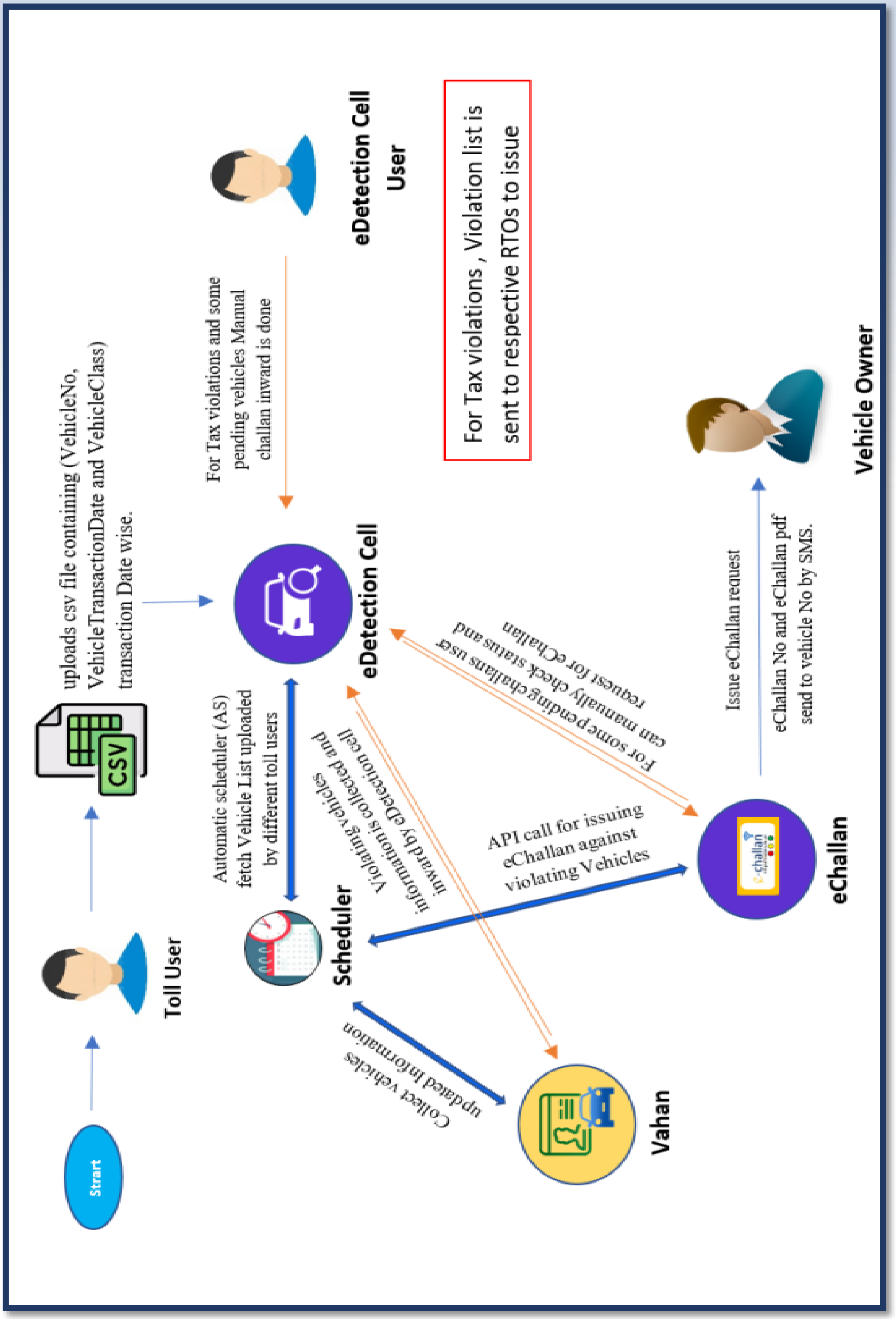

एनआईसी अधिकारियों का उनके योगदान के लिए सम्मान

श्रीमती लता एस. पटेल, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, वलसाड

જિલ્લા વહીવટી તંત્ર વલસાડ

પ્રમાણપત્ર

શ્રી/શ્રીમતી/કુ. લતાબેન પટેલ, ડીસ્ટ્રીક ઇન્ફોરમેટીક્સ ઓફિસર, વલસાડ ને "નગરપાલિકા સામાન્ય ચૂંટણી-૨૦૨૫" માં કોમ્પ્યુટરાઇઝેશન તથા ઇ-કેશ બોર્ડ નોડલ અધિકારી તરીકે ઉત્કૃષ્ટ કામગીરી કરવા બદલ આ પ્રમાણપત્ર આપવામાં આવે છે. આપ ભવિષ્યમાં પણ આ જ રીતે સતત મહત્વપૂર્ણ યોગદાન આપતા રહો તેમજ આપની કારકિર્દી ઉત્તરોત્તર પ્રગતિકારક તેમજ યશસ્વી બની રહે તેવી શુભેચ્છા પાઠવું છું.

સ્થળ : વલસાડ
તારીખ : ૨૮/૦૩/૨૦૨૫

(નૈમેષ દવે IAS)
જિલ્લા મ્યુનિસિપલ ચૂંટણી અધિકારી
અને
કલેક્ટર, વલસાડ

श्रीमती लता एस. पटेल, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, **वलसाड को जिला मजिस्ट्रेट, श्री एन.एन. दवे** ने उनके सराहनीय कार्य के लिए एक प्रशंसा पत्र प्रदान किया।

उन्हें सीएम डैशबोर्ड, स्वागत, और पीडीएस सहित विभिन्न ई-गवर्नेंस परियोजनाओं में उनके महत्वपूर्ण योगदान और जिला प्रशासन को तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए सम्मानित किया गया। उनकी निष्ठा ने कुशल और पारदर्शी सेवा वितरण के लिए एक मानक स्थापित किया है।

श्री विरेन एस. मकोडिया, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, गांधीनगर

26 जनवरी 2025 को गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान, श्री विरेन एस . मकोडिया को गांधीनगर के जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया गया।

उन्हें कर्तव्य निर्वहन में उनकी सराहनीय सेवा और जिले में विभिन्न आईटी-संबंधित परियोजनाओं और गतिविधियों में उनके योगदान के लिए सराहा गया, जो उनके समर्पण और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

જિલ્લા વહીવટીતંત્ર, ગાંધીનગર

પ્રશસ્તિ પત્ર

શ્રીમાન/શ્રીમતી વિરેન એસ. મકોડીયા ને

જિલ્લા કક્ષાના ૭૬ માં પ્રજાસત્તાક દિનની ઉજવણી પ્રસંગે આપના દ્વારા ટેકનીકલ ક્ષેત્રમાં કરેલ કામગીરી બદલ આ પ્રશસ્તિ પત્ર આપી સન્માનિત કરતા અમો હર્ષની લાગણી સાથે આપના ઉજ્વળ ભવિષ્યની કામના કરીએ છીએ.

મેહુલ કે. દવે (IAS)
કલેક્ટર અને જિલ્લા મેજિસ્ટ્રેટ
ગાંધીનગર

તારીખ : ૨૬-૦૧-૨૦૨૫
સ્થળ : ગાંધીનગર

Index

GARVI Portal	01
iKhedut Portal	03
e-Detection Portal	05
Felicitation of District NIC Officers	07

National Informatics Centre
Gujarat State Centre, Block 13
2nd Floor, Sardar Bhavan
Gandhinagar, Gujarat 382010

: sio-guj@nic.in

: https://guj.nic.in

Editorial:

Patron:

Shri Pramod Kumar Singh
Scientist-G &
State Informatics Officer Gujarat

Editorial Team :

Shri Shailesh Khanesha
Scientist-D &
Joint director (IT)

Shri Kunal Derashri
Scientist-C &
Deputy Director (IT)

Enhancing Citizen Services through GARVI Portal
Gujarat's Digital Leap in Property Registration

The Government of Gujarat is making significant strides in digitizing land and property registration services with continuous enhancements to the **GARVI Portal** (Gujarat Integrated Land Registry).

This initiative is a cornerstone of the state's commitment to Digital India and Good Governance, aiming to provide a seamless, secure, and efficient online experience for its citizens.

Administrative process of Registration, Valuation & Indexing in Gujarat

- Complete Registration flow Start from Document no generation with auto calculation of Registration Fees
- Property verification of Agriculture and Non Agriculture property. Calculation of market value as per the guideline values
- Capturing of photo and Thumb Impressions of all parties. Endorsement report all process
- Final Registration Process. Scanning the ordered document and return the document
- Initiate Auto Mutation after final registration. Integrated with Land Records and City Survey System.

The objective of these developments is to

- Integrate essential government systems like UIDAI, Jantri, and SBI Payment Gateway for a smoother workflow.
- Enhance transparency and reduce manual interventions in property valuation, payment, and verification.
- Improve the citizen experience by offering consolidated, real-time data and services on a single digital platform

Facility for Public

- Public Data Entry Module, to enter the document details. Online Payment of applicable Fees and Duty. Booking appointment slot for registration.
- Receiving the registered document on the same day. Getting online certified copies without visiting SRO
- Property Search by Name, Date of Registration, Document No. Market value Calculator, and Find Land rate for any property

Total Demographic Authentication	14.50 Lacs+
Total Income received in Garvi Portal	105 Lacs Crore +
Total Biometric based eKYC	4500 +
Total AI Nirbhit Transactions	3 K +

Statistics

Collection on online issued certified copies	212 Crores+
Online Certified copies issued	55 Lacs+
Document Registrations	15 Lacs Per Year
Index2 Data	2.05 Crores+
Collection of e-Payment Registration Fee and Stamp duty	7500 Crores
e-Payments Transaction	125 Lacs

Key Features and Developments

SBI Payment Gateway Integration

The rollout of this feature across all Sub-Registrar Offices (SROs) has enabled secure digital payments for property transactions.

Citizen-Side Property Valuation Page

This new page is integrated with the Jantri System, allowing citizens to self-assess their property's value. Now under User Acceptance Testing phase.

e-KYC Functionality

Successfully piloted at the Gandhinagar Zone-1 Taluka Office, this feature allows for electronic verification of buyers, sellers, and other parties. A report was also developed to share authentication success statistics with UIDAI. This feature was then officially launched across all SRO offices in Gujarat.

UPIN - Based Mutation Integration

The GARVI Portal has been integrated with the CSIS Portal using the **Unique Property Identification Number (UPIN)** for the mutation of Urban Properties.

Unified Payment Reconciliation Screen

A generic dashboard developed for citizens, allowing them to check and reconcile the payment status of all their applications from a single screen.

These advancements not only bring efficiency and transparency to the process but also empower citizens with easy access to critical services and data, setting a new benchmark for the digitization of land records.

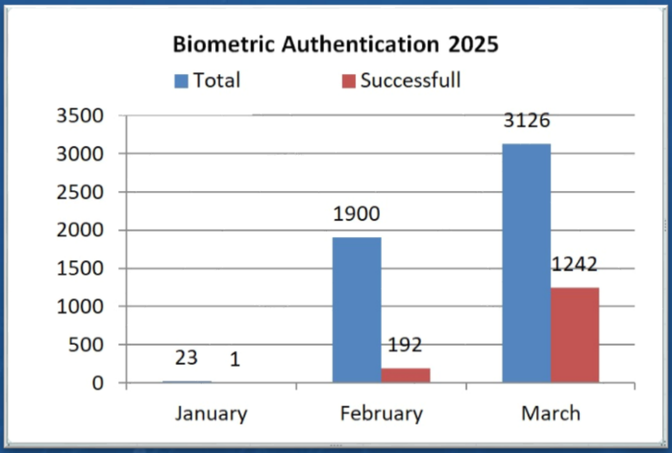

Revolution in Agricultural Technology

Cluster Training Portal under Natural Farming Campaign

To promote natural farming in Gujarat, the **Agriculture Technology Management Agency (ATMA)**, in collaboration with the National Informatics Centre, Gujarat, has developed an online portal under the "**iKhedut**" platform. This initiative enables the effective monitoring and management of natural farming cluster trainings being conducted across the state.

Cluster Formation and Objectives

For this year, A total of 1,029 Mission Clusters and 3,878 Non-Mission Clusters have been formed, each comprising 3 Gram Panchayats. Each cluster includes trained experts to provide assistance to farmers.

- **Technical Master Trainer (TMT):** A subject-matter expert who provides scientific and technical guidance.
- **Krushi Sakhi:** A village-level resource person with local knowledge and experience in organic farming, providing practical assistance and continuous support to farmers.
- **Community Resource Person (CRP):** A trained local individual tasked with guiding farmers in implementing natural farming methods and collecting data.

This initiative aims to reach **over 5.64 lakh farmers** and ensure the widespread adoption of natural farming methods.

Key Features of the Portal

Online Information and Monitoring

The portal provides real-time information on cluster training activities across the state.

Effective Governance

It facilitates state and district-level monitoring of training progress.

Role-Based Access

There are dedicated modules for TMTs, Krushi Sakhis, and ATMA officials.

Cluster-Based Strategy

Ensures systematic coverage of farmers through structured cluster formation.

Mission Cluster

Non Mission Cluster

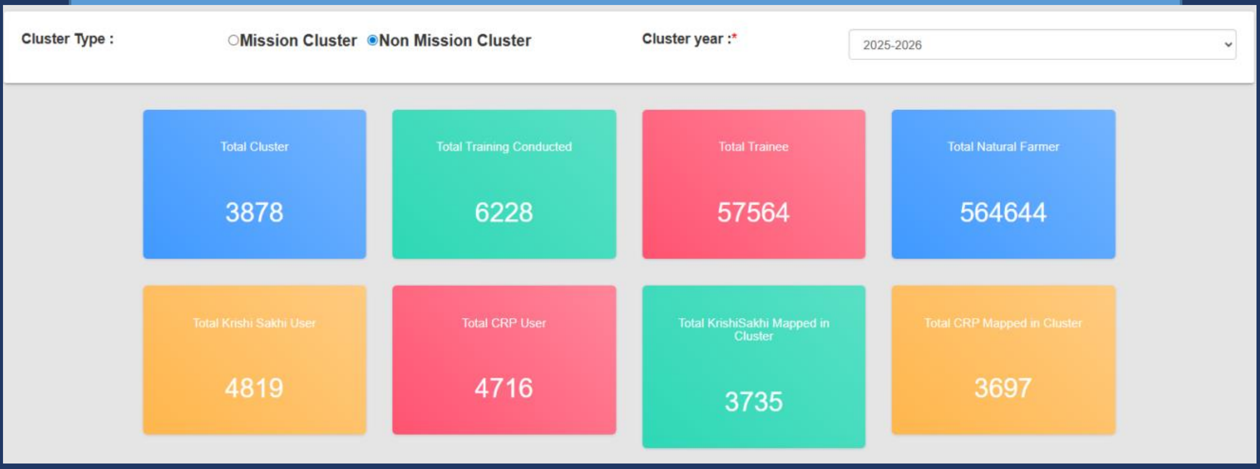

This digital platform has streamlined the coordination of natural farming training, leading to the integration of scientific guidance and practical assistance throughout the state, empowering farmers toward sustainable natural agriculture.

e-Detection

Strengthening Road Safety and Revenue

In a significant move to enhance road safety and compliance, the **e-Detection** system has been rolled out in Gujarat, aimed at tackling the movement of non-compliant vehicles.

This innovative system addresses the ineffectiveness of manual inspections and simple SMS alerts by providing a robust mechanism to identify and issue **e-Challans** for vehicles violating various Motor Vehicle (MV) rules

Key Objectives

Automated Violation Detection

The system automatically detects vehicles operating without valid Fitness, Tax, Permit, Insurance, and Pollution certificates.

Integration with e-Challan

It seamlessly integrates with the 'One Nation One Challan' policy to ensure efficient and effective e-Challan issuance.

Maximizing Revenue

By identifying tax and other defaulters, the system helps maximize revenue generation from e-Challans.

Enhanced Road Safety

Ultimately, e-Detection serves as a major tool for strengthening overall road safety by ensuring vehicles on the road are compliant.

The system's process is streamlined and highly automated. **Toll users** upload vehicle data, which is then processed by an automatic scheduler that identifies violations. This information is sent to the **e-Detection Cell**, which then issues a request to the **e-Challan system**. The e-Challan is generated and sent directly to the vehicle owner via SMS.

Launch Date : 16 January 2025

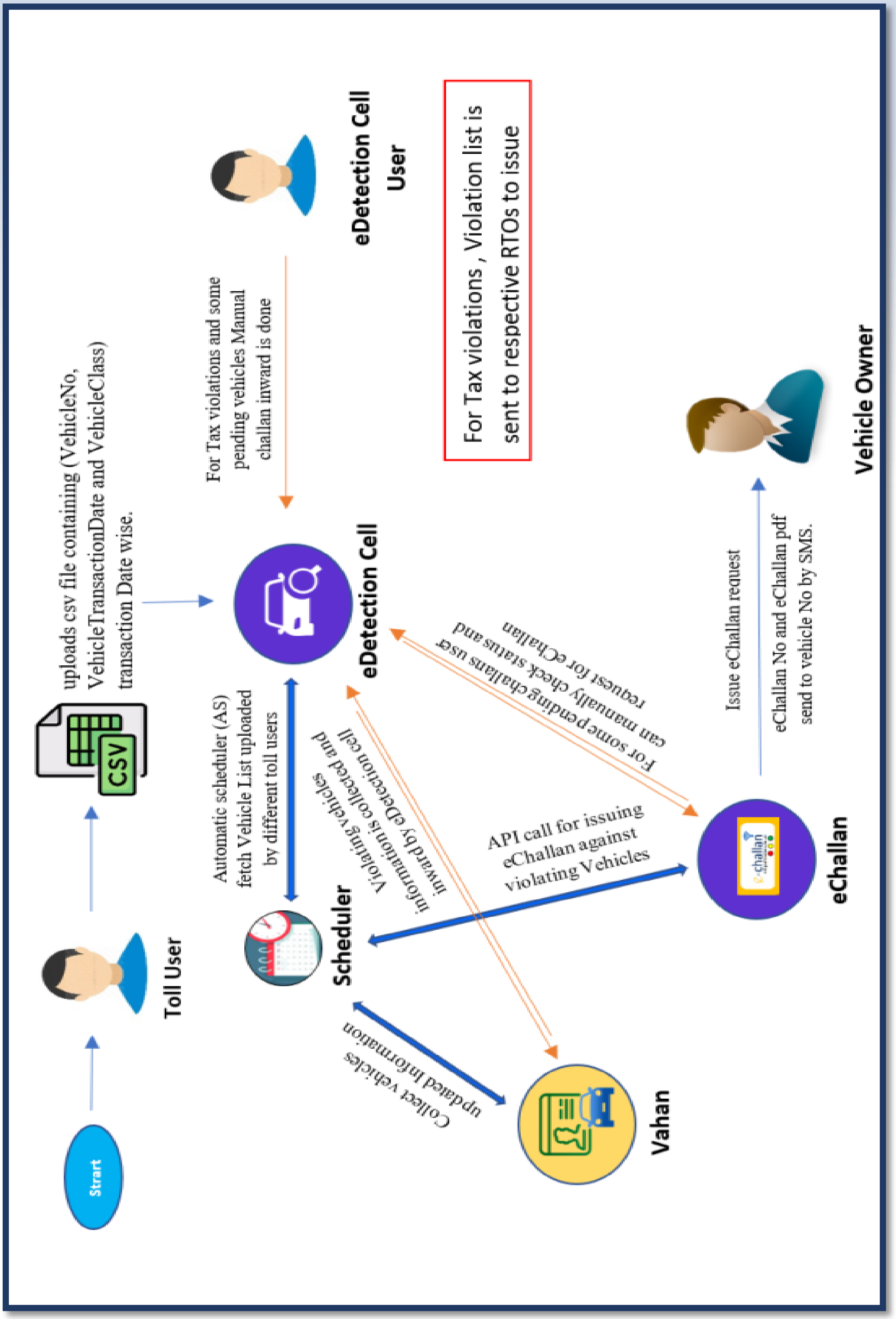

Smt. Lata S. Patel, District Informatics Officer, Valsad

Smt. Lata S. Patel, District Informatics Officer, Valsad received appreciation letter from **Shri N.N. Dave, District Magistrate of Valsad,** for her commendable work.

She was recognized for her significant contributions to various e-Governance projects, including the CM Dashboard, SWAGAT, and PDS, and for providing seamless ICT support to the district administration. Her dedication has set a benchmark for efficient and transparent service delivery.

જિલ્લા વહીવટી તંત્ર વલસાડ

પ્રમાણપત્ર

શ્રી/શ્રીમતી/કુ. લતાબેન પટેલ, ડીસ્ટ્રીક ઇન્ફોરમેટીક્સ ઓફિસર, વલસાડ ને "નગરપાલિકા સામાન્ય ચૂંટણી-૨૦૨૫" માં કોમ્પ્યુટરાઈઝેશન તથા ઈ-કેશ બોર્ડ નોડલ અધિકારી તરીકે ઉત્કૃષ્ટ કામગીરી કરવા બદલ આ પ્રમાણપત્ર આપવામાં આવે છે. આપ ભવિષ્યમાં પણ આ જ રીતે સતત મહત્વપૂર્ણ યોગદાન આપતા રહો તેમજ આપની કારકિર્દી ઉત્તરોત્તર પ્રગતિકારક તેમજ યશસ્વી બની રહે તેવી શુભેચ્છા પાઠવું છું.

સ્થળ : વલસાડ
તારીખ : ૨૮/૦૩/૨૦૨૫

(નૈમેષ દવે IAS)
જિલ્લા મ્યુનિસિપલ ચૂંટણી અધિકારી
અને
કલેક્ટર, વલસાડ

Shri Viren S. Makodiya, District Informatics Officer, Gandhinagar

During the Republic Day celebrations on **January 26, 2025**, **Mr. Viren S. Makodiya** was honored by the District Administration of Gandhinagar.

He was appreciated for his meritorious service and his significant contributions to various IT-related projects and activities in the district, showcasing his dedication and commitment to duty.

જિલ્લા વહીવટીતંત્ર, ગાંધીનગર

પ્રશસ્તિ પત્ર

શ્રીમાન/શ્રીમતી વિરેન એસ. મકોડીયા ને જિલ્લા કક્ષાના ૭૬ માં પ્રજાસત્તાક દિનની ઉજવણી પ્રસંગે આપના દ્વારા ટેકનીકલ ક્ષેત્રમાં કરેલ કામગીરી બદલ આ પ્રશસ્તિ પત્ર આપી સન્માનિત કરતા અમો હર્ષની લાગણી સાથે આપના ઉજવળ ભવિષ્યની કામના કરીએ છીએ.

તારીખ : ૨૬-૦૧-૨૦૨૫
સ્થળ : ગાંધીનગર

મેહુલ કે. દવે (IAS)
કલેક્ટર અને જિલ્લા મેજિસ્ટ્રેટ
ગાંધીનગર

Shree Arasuri Ambaji Mataji Temple, Ambaji

श्री अरासुरी अम्बाजी माताजी मंदिर अम्बाजी

According to the Puranas, wherever the pieces of the sati, the clothes, or the ornaments held, have fallen, wherever **Shaktipeeth** came into existence. They are called the most sacred shrines. These shrines are spread across the entire Indian subcontinent.

According to mythology, Goddess Sati gave her life by jumping into the fire of Havan organized by her father King **Daksheshwara**. When Lord Shiva was running around the earth carrying her body then Lord Vishnu divided the body into 51 parts using his Sudarshan chakra. Out of those 51 parts, from which the ‘Heart’ of Sati fell to this place.

E-MAHITI

An e-GOVERNANCE MAGZINE FROM NATIONAL INFORMATICS CENTRE, GUJARAT

January - March 2025

Vibrant GUJARAT 10-12 Jan 2024 Gateway to the Future | 10th Global Summit

my GOV मेरी सरकार

G20 भारत 2023 INDIA

Digital India Power To Empower

KUMBHARIYA JAIN TEMPLE

NIC

National Informatics Centre, Gujarat